कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं .....

कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं,
बाद अमृत पिलाने से क्या फायदा ?
कभी गिरते हुए को उठाया नहीं,
बाद आँसू बहाने से क्या फायदा ?

मैं तो मंदिर गया पूजा आरती की,
पूजा करते हुए ये ख्याल आ गया,
कभी माँ–बाप की सेवा की ही नहीं,
सिर्फ पूजा ही कर लूँ तो क्या फायदा ?

मैं सतसंग गया, कथा भागवत सुनी,
गीता पढ़ते हुए ये, ख्याल आ गया,
कभी गीता का सार मैंने समझा नहीं ?
सिर्फ गीता ही पढ़ने से क्या फायदा ?

मैं काशी, बनारस, हरिद्वार गया,
गंगा नहाते हुए ये, ख्याल आ गया,
तन को धोया, मगर मन को धोया नहीं,
सिर्फ गंगा नहाने से क्या फायदा ?

मैंने दान किया, मैंने जप–तप किया,
दान करते हुए ये, ख्याल आ गया,
कभी भूखे को भोजन कराया नहीं,
दान लाखों का कर दूँ तो क्या फायदा ?

मन मैला तन ऊजरा, बगुला कपटी अंग।
वाको तो कागा भला, तन मन एकहि रंग।।